# त्रैमासिक दिग्विजय कैम्पस

राजनांदगांव | अप्रैल-जून 2023 | वर्ष-6, अंक 14 | (आंतरिक वितरण हेतु)


# 65 साल का हुआ दिग्विजय महाविद्यालय

## 03 दिवसीय स्थापना दिवस समारोह आयोजित

दिग्विजय कैम्पस

**शासकीय दिग्विजय स्वशासी स्नातकोत्तर महाविद्यालय, राजनांदगांव ( छत्तीसगढ़) प्रदेश के सबसे बड़े और पुराने महाविद्यालय में से एक है जिसकी स्थापना 13 जुलाई 1957 को हुई थी। प्राचार्य डॉ. के. एल.टांडेकर के मार्गदर्शन एवं जनभागीदारी समिति अध्यक्ष रईस अहमद शकील की अध्यक्षता में महाविद्यालय की 66वीं स्थापना दिवस पर 03 दिवसीय स्थापना दिवस समारोह का भव्य आयोजन किया जा रहा है।**

जिसमें प्रथम दिवस स्थापना दिवस समारोह, द्वितीय दिवस महाविद्यालय की गौरव गाथा पर गीत लेखन-वाचन एवं स्लोगन लेखन प्रतियोगिता तथा तृतीय दिवस एलुमनी प्रोफेसर मिलन एवं बैठक समारोह का आयोजन किया जाना है। प्रथम दिवस मुख्य अतिथि के रूप में गिरीश बख्शी, डॉ एम.काले एवं डॉ हेमलता महोबे सम्मिलित हुए। मुख्य अतिथि एवं प्राचार्य डॉ के.एल.टांडेकर ने सर्वप्रथम महंत राजा दिग्विजय दास की मूर्ति का माल्यार्पण कर छत्तीसगढ़ महतारी एवं मां सरस्वती की प्रतिमा के समक्ष दीप प्रज्ज्वलित कर कार्यक्रम का शुभारंभ किया। प्राचार्य ने महाविद्यालय की स्थापना से जुड़े तथ्यों को साझा करते हुए बताया कि महाविद्यालय की स्थापना किन परिस्थितियों में हुई थी, तत्कालीन राजनांदगांव रियासत के राजा दिग्विजय दास क्षेत्र में उच्चशिक्षा के प्रोत्साहन हेतु अपने महल को शिक्षा के लिए समर्पित करते हुए दान किया था। तब से आज तक प्रदेश समेत पूरे क्षेत्र के विकास में महाविद्यालय से पढ़े हुए विद्यार्थियों का विशेष योगदान दिया है जो विभिन्न उद्योग,शिक्षा,उच्च शिक्षा समेत अन्य समस्त क्षेत्रों में कार्यरत हैं। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि डॉ गिरीश बख्शी ने अपने वक्तव्य में बताया कि महाविद्यालय उस समय पूरे प्रदेश में विख्यात था। पंडित किशोरी लाल शुक्ल प्रथम प्राचार्य रहे जिनका महत्वपूर्ण योगदान महाविद्यालय के विकास मे रहा। जिन्होंने अवैतनिक रहकर अपनी सेवा इस महाविद्यालय को दी।

गिरीश बख्शी ने पं. किशोरी लाल शुक्ल की स्मृति में महाविद्यालय में मूर्ति स्थापना हेतु 10,000 की राशि देने की घोषणा भी की। महाविद्यालय के पूर्व प्राचार्य डॉ. हेमलता महोबे ने बताया कि महाविद्यालय ने उनको बहुत कुछ दिया संस्था की प्राचार्य रहते हुए मुझे महाविद्यालय में सेवा देने का भी सौभाग्य प्राप्त हुआ था। मैं इस महाविद्यालय की ऋणी हूं। आनंद सारथी, भूतपूर्व छात्र दिग्विजय महाविद्यालय ने महाविद्यालय के समय के अपने संस्मरण साझा किए और उन्होंने बताया कि आज वह जिस मुकाम पर हैं वहां पहुंचने में इस महाविद्यालय ने एक अहम भूमिका निभाई है। उन्होंने वर्तमान प्राचार्य डॉ के एल टांडेकर की प्रशंसा करते हुए कहा कि आज महाविद्यालय इनके नेतृत्व में उत्तरोत्तर प्रगति कर रहा है। महाविद्यालय में विविध कार्यक्रमों का आयोजन करवाया जा रहा है जो इस संस्था के विकास में सहयोग देगा।

अमलेंदू हाजरा समाजसेवी राजनांदगांव ने अपने अनुभव को साझा किया और उन्होंने यह भी बताया कि इस महाविद्यालय से पढ़कर शिक्षा हासिल करके उन्होंने आज समाज में एक मुकाम हासिल किया है उन्होंने एक संस्मरण बताया जिसमें राजनांदगांव दिग्विजय महाविद्यालय से पढ़ें एक रिक्शा चालक ने इनकम टैक्स इंस्पेक्टर के पद पर ज्वाइन किया तत्पश्चात दिल्ली मिनिस्ट्री से इनकम टैक्स डायरेक्टर के पद से सेवानिवृत्त हुए हैं।

महाविद्यालय की प्रशंसा करते हुए उन्होंने बताया कि महाविद्यालय के प्राध्यापक सदैव ही छात्र हित में कार्य करते रहे हैं एवं वर्तमान में भी यह कार्य निरंतर जारी है जो समाज की प्रगति में योगदान दे रहा है। कार्यक्रम का संचालन आईक्यूएसी संयोजक डॉ अनिता साहा ने किया। डॉ अंजना ठाकुर ने धन्यवाद ज्ञापन करते हुए कार्यक्रम का समापन किया। उक्त समारोह में आईक्यूएसी की बाह्य समिति के समस्त सदस्य, जनभागीदारी समिति के समस्त सदस्य, प्राध्यापक, सहायक प्राध्यापक, कर्मचारी-अधिकारी एवं विद्यार्थी सम्मिलित रहे।

# स्नातकोत्तर महाविद्यालय में आठ लघु शोध परियोजनाएं स्वीकृत

दिग्विजय कैम्पस

**शासकीय दिग्विजय स्वाशासी स्नातकोत्तर महाविद्यालय के स्वशासी प्रकोष्ठ द्वारा सत्र 2023 . 24 में आठ लघु शोध परियोजना स्वीकृत की गयी है। इसके अंतर्गत प्रत्येक शोधार्थी को पचास हजार रूपए की राशि स्वीकृत की गयी है। इस राशि से शोधार्थी विज्ञान, सामाजिक अध्ययन, पत्रकारिता, कंप्यूटर तथा भाषा के क्षेत्र में अध्ययन करेंगे। उनका अध्ययन मूल्य आधारित होगा, जिसका निष्कर्ष विद्यार्थी, समाज के लिए उपयोगी होगा।**

प्रत्येक वर्ष स्वाशासी विभाग द्वारा लघु शोध परियोजना हेतु महाविद्यालय के प्राध्यापक, सहायक प्राध्यापक एवं अतिथि व्याख्याता द्वारा प्रस्ताव मंगावाया जाता है। इस वर्ष कुल बीस प्रस्ताव प्राप्त हुए थे। सभी प्रस्ताव को विषय विशेषज्ञों के द्वारा मूल्यांकन किया गया तथा अन्वेषकों के द्वारा पीपीटी के माध्यम से अपने प्रस्ताव का प्रस्तुतीकरण दिया गया। इनमें से आठ प्रस्तावों को विशेषज्ञ समिति द्वारा अंतिम स्वीकृति प्रदान की गई।

विषय विशेषज्ञ के रूप में प्रभारी प्राचार्य, शासकीय नवीन महाविद्यालय, वैशाली भिलाई से डॉ.नागरत्ना गणवीर, शासकीय पीजी महाविद्यालय, वैशाली नगर भिलाई, से प्राध्यापक डॉ.शिखा श्रीवास्तव, डॉ.शबनम खान, डॉ.शैलेन्द्र सिंह, डॉ.नीलू श्रीवास्तव महाविद्यालय के एथिक्स कमेटी के संयोजक डॉ.अनीता शंकर एवं महाविद्यालय स्वशासी परीक्षा के नियंत्रक डॉ.के.एल.दामले उप नियंत्रक डॉ.हेमंत साव, सहायक नियंत्रक गोकुल निषाद एवं डॉ.ललित प्रधान उपस्थित थे।

महाविद्यालय के प्राचार्य डॉ.के टांडेकर ने बताया कि महाविद्यालय में अकादमी के साथ.साथ रिसर्च को बढ़ावा देने के लिए लघु शोध परियोजना का कार्य किया जाता है। शोध के माध्यम से निकले निष्कर्ष विद्यार्थियों, समाज तथा देश . प्रदेश के नीति निर्धारण में उपयोगी साबित होगा। विषय विशेषज्ञ डॉ.शिखा श्रीवास्तव ने कहा कि शोध मूल्य आधारित होने चाहिए तथा शोध के लिए आवश्यक दिशा निर्देश का पालन करना चाहिए। इस बैठक का संचालन स्वशासी परीक्षा प्रकोष्ठ के उपनियंत्रक डॉ.हेमंत साव ने किया तथा नियंत्रक डॉ. के. एल.दामले ने धन्यवाद ज्ञापित किया।

बैठक में डॉ.अनीता महेश्वर. डॉ.केशव आडिल प्राध्यापक वनस्पति विज्ञान, डॉ.अनिता साह . मंजुला सोनी अंग्रेजी विभाग, डॉ.राजकुमार बंजारे, राजनीति विज्ञान, विकास कांडे.युनुस बेग रसायन शास्त्र, डॉ.के. एल. दामले . गुरप्रीत सिंह भाटिया एवं चिरंजीवि पांडे वनस्पति विज्ञान, डॉ. बी. एन. जागृत . अमितेश सोनकर पत्रकारिता विभाग, ललिता साहू . डॉ. प्रियंका लोहिया एमएसडब्ल्यू, राजू खूंटे . हेमपुष्पा कंप्यूटर साइंस विभाग उपस्थित थे।

# एमओयू के तहत मना जनसंपर्क दिवस

दिग्विजय कैम्पस

**राजनांदगांव। शासकीय दिग्विजय स्वशासी स्नातकोत्तर महाविद्यालय, राजनांदगांव के प्राचार्य डॉ.के.एल.टांडेकर के मार्गदर्शन एवं पत्रकारिता विभागाध्यक्ष, डॉ.बी.एन. जागृत के नेतृत्व में एम. ओ. यू. कार्यक्रम के तहत , जनसंपर्क दिवस रूआबाधां में स्थित सेंट थॉमस कॉलेज भिलाई में मनाया गया।**

कार्यक्रम के मुख्य अतिथि भारतीय सूचना सेवा के अफ्सर और दूरदर्शन केन्द्र रायपुर के सहायक निर्देशक (समाचार) डॉ. मनोज सोनेन थे। कार्यक्रम का शुभारंभ समस्त अतिथियों के स्वागत के साथ हुआ। अपने आशीर्वचन में सेंट थामस महाविद्यालय के प्रशासक फादर डॉ. जोशी वर्गीज ने जनसंचारक के तौर पर पत्रकारों को उनके कर्तव्य के प्रति सजग किया। प्राचार्य डॉ. रोइमोने ने जनसंपर्क दिवस पर अपने समाजिक दायित्व पर अपनी बात रखते हुए शुभकामनाएं दी। सेंट थामस कॉलेज पत्रकारिता विभाग की प्रमुख डॉ. रीमा देवांगन ने स्वागत उद्बोधन दिया। प्रशासक फादर वर्गीज ने मुख्य अतिथी डॉ. मनोज सोनेन को स्मृति चिन्ह भेंट कर उनका सम्मान किया। अपने उद्बोधन के दौरान डॉ. मनोज सोनेन ने समाज में जनसंपर्क की भूमिका बताते हुए पत्रकारों को वर्तमान समय का श्रेष्ठ जनसंचारक निरूपित किया। उन्होंने कहां कि आज के समय में एक बेहतर जनसंचारक बनने के लिए जरूरी है कि हमारे अंदर प्रज्ञा, शील ,करूणा और मैत्री का भाव होना चाहिए। इन गुणों के समावेश से ही हम अपनी बात जनसमुदाय तक पहुंचा सकते हैं।

उन्होंने पत्रकारिता जनसंचार कि डिग्री के उपरांत सरकारी और निजी क्षेत्र की सेवाओं में बेहतर भविष्य के अवसरों की विस्तार से जानकारी दी। दिग्विजय महाविद्यालय, की पत्रकारिता विभागाध्यक्ष डॉ.बी.एन.जागृत ने अपने उद्बोधन के दौरान सभी को जनसंपर्क दिवस की शुभकामनाएं देते हुए कहां की जनसंपर्क बहुंत ही आवश्यक है। बड़ी बड़ी व्यावसायिक कंपनियां हो या अन्य तरह की बड़ी संस्थाएं सभी को जनसंपर्क अधिकारी की आवश्यकता होती है। कार्यक्रम के अंत में विद्यार्थियों द्वारा पत्रकारिता से संबंधित जिज्ञासाओं का डॉ. मनोज सोनेन द्वारा समाधान किया गया इस प्रकार के कार्यक्रम के माध्यम से एक महाविद्यालय के विद्यार्थी दूसरे महाविद्यालय के शैक्षिक वातावरण से रूबरू होते है।

कार्यक्रम को सफल बनाने में सेंटथामस महाविद्यालय, के सहायक प्राध्यापक छवि किरण साहू, अमिताभ शर्मा, दिग्विजय महाविद्यालय से सहायक प्राध्यापकगण अमितेश सोनकर, विभा सिंह, सेऊक दास समेत विद्यार्थियों ने अपनी सहभागिता दर्ज की। सेंट थामस महाविद्यालय के विभिन्न विभागों के विद्यार्थीगण एवं प्राध्यापकगण उपस्थित रहें।

एजुकेशन वर्ल्ड गव्हर्नमेंट ऑटोनामस कॉलेज रैंकिंग 2023-24 में

# दिग्विजय ऑटोनामस महाविद्यालय को मिला 34 रैंक

शासकीय दिग्विजय ऑटोनामस स्नातकोत्तर महाविद्याल, राजनांदगांव में देश के 200 ऑटोनामस कॉलेज के मध्य 34वां रैंक तथा राज्य स्तर पर 4 था रैंक प्राप्त किया है। एजुकेशन वर्ल्ड गव्हरमेंट ऑटोनामस कॉलेज रैंकिंग 2023-24 अनुसार देश में लगभग 200 ऑटोनामस कॉलेज है, जिनकी 05 विभिन्न बिन्दुओं पर समीक्षा करते हुए रैंकिंग जारी की जाती है। इस रैंकिंग में जहां दिग्विजय महाविद्यालय 52वें स्थान पर था, वहीं 2023-24 में 34वें स्थान पर पहुंच गया है, साथ ही राज्य स्तर पर 4 था स्थान प्राप्त किया है। 2020-21 में महाविद्यालय को जहां 700 में 409 अंक प्राप्त हुए थे, वहीं इस वर्ष 700 में 447 अंक प्राप्त हुए है। महाविद्यालय के इस उपलब्धि पर जनभागीदारी समिति के अध्यक्ष रईस अहमद शकील ने पूरे महाविद्यालय परिवार को बधाई दी।

# एनईपी का मूल उद्देश्य भाषाई विविधता का संरक्षण:- डॉ. दिग्गिकर

## अनेक बिंदुओं पर विस्तार से हुई चर्चा

दिग्विजय कैम्पस

**शासकीय दिग्विजय स्वशासी स्नातकोत्तर महाविद्यालय में राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 पाठ्यक्रम एवं शोध सुधार विषय पर आयोजित 05 दिवसीय राष्ट्रीय कार्यशाला के चतुर्थ दिवस मुख्य अतिथि के रूप में डॉ. दिग्गिकर, असिस्टेंट प्रोफेसर अहमदनगर, महाराष्ट्र सम्मिलित हुए।**

संस्था के प्राचार्य डॉ के. एल. टांडेकर मुख्य अतिथि का पुष्प गुच्छ से स्वागत करते हुए अपने उद्बोधन में राष्ट्रीय शिक्षा निति की अवधारणा के प्रथम चरण की चुनौतियों के बारे में चर्चा करते हुए मुख्य अतिथि का आभार व्यक्त किया। साथ ही उन्होंने महाविद्यालय में संचालित विभिन्न विषयों की जानकारी भी साझा की। डॉ राहुल दिग्गिकर ने अपने व्याख्यान में बताया कि भारतीय शिक्षा जगत का संक्षिप्त विवरण देते हुए, राष्ट्रीय शिक्षा नीति के पूर्व की स्थिति, राष्ट्रीय शिक्षा नीति के लागू होने के बाद की स्थितियों, एक्सटेंसिंव अप्रोच और मल्टीडिसिप्लीनरी एजुकेशन जैसे बिंदुओं पर विस्तार से चर्चा की।

उन्होंने प्राचीन भारत के महत्वपूर्ण विश्वविद्यालय नालंदा ,वल्लभी , उदंतपुरा ,तक्षशिला सोमापूरा, पुष्पगिरी, विक्रमशिला ,जगदला अवंती के शिक्षा प्रणाली के बारे में बताया जो प्राचीन भारत समेत पूरे विश्व में शिक्षा का प्रमुख केंद्र रहे हैं। एएसआई के तलहेरा प्रोजेक्ट के तहत प्राचीन भारत शैक्षणिक संस्थानों के शोध के बारे में बताते हुए। ब्रिटिश काल से लेकर आधुनिक भारत तक की शिक्षा नीतियों पर विस्तार से प्रकाश डाला। 5.3. 3. 4 प्गणली से होने वाले परिवर्तन के साथ शोध के लिए NRF की फंडिंग,शिक्षक-प्राध्यापक अनुपात 1:25,NHEQF,NHER1991,HEGC,GER, लोक विद्या, । AEC 4 वर्षीय मल्टीडिसीप्लिनरी यूजी प्रोग्राम, 4 वर्षीय ऑनर्स कोर्स, मेजर- माइनर - इलेक्टिव स्किल डेवलपमेंट, ATE कॉन्सेप्ट, सर्टिफिकेट- डिप्लोमा-डिग्री , बेसिक बेचलर डिग्री, एकेडमिक बैंक ऑफ क्रेडिट की जानकारी दी।

राष्ट्रीय शिक्षा नीति बाणभट्ट द्वारा रचित कादंबरी में दर्शाए 64 कलाओं से प्रेरित बताया। NEP में MHRD द्वारा 'बुनियादी साक्षरता और संख्यात्मक ज्ञान पर एक राष्ट्रीय मिशन' की स्थापना की मांग की गई थी जो ''निपुण भारत मिशन'' के रूप में संचालित है। एनईपी का मूल उद्देश्य भाषाई विविधता का संरक्षण, पाठ्यक्रम, मूल्यांकन है, निकट भविष्य में देश में आईआईटी और आईआईएम के समकक्ष वैश्विक मानकों के 'बहुविषयक शिक्षा एवं अनुसंधान विश्वविद्यालय' की स्थापना की जाएगी। उक्त कार्यशाला में महाविद्यालय के समस्त प्राध्यापक सहायक प्राध्यापक सम्मिलित हो रहे।

# प्राचार्य डॉ.के.एल. टांडेकर को मिला डॉ. अब्दुल कलाम आईकॉनिक इंटरनेशनल अवार्ड

दिग्विजय कैम्पस

**शासकीय दिग्विजय महाविद्यालय के प्राचार्य डॉ.के.एल. टांडेकर को शिक्षा के क्षेत्र में उनके उल्लेखनीय कार्य के लिए समता साहित्य अकादमी नई दिल्ली द्वारा डॉ. अब्दुल कलाम आईकॉनिक इंटरनेशनल अवार्ड 2023 से सम्मानित किया गया।**

यह सम्मान समता साहित्य अकादमी के 15वें सम्मान समारोह में 21 मई 2023 को नई दिल्ली में बीसवेन्द्र पासवान, पूर्व मंत्री नेपाल सरकार, कर्नल पार्वती जांगिंड सिस्टर ऑफ सोलज्र एवं चेयरपर्सन यूथ पार्लियामेंट आफ इंडिया, वीर दाहिया प्रसिद्ध गायक एवं अभिनेता, डॉ. एन.एस. खोबा राष्ट्रीय अध्यक्ष बाबू जगजीवन राम कला संस्कृति एवं साहित्य अकादमी दिल्ली, डॉ. नत्थू लाल बेरवा स्टेट प्रेसीडेंट समता साहित्य अकादमी दिल्ली की उपस्थिति में प्रदान किया गया। डॉ. टांडेकर को कुल 41 वर्ष का शिक्षण कार्य का, शोध निदेशक के रुप में 10 वर्ष का अनुभव है। इनके अंतर्गत 09 शोधार्थी पंजीकृत है एवं 04 को पी.एच.डी. उपाधि प्रदान की जा चुकी है, जो छ.ग. राज्य सेवा परीक्षा द्वारा सहायक प्राध्यापक वाणिज्य के पद पर चयनित हो चुके है। इनके 88 रिसर्च पेपर, 10 पुस्तक प्रकाशित हो चुके है, इन्होने 50 राष्ट्रीय सेमीनार, 12 अंतर्राष्ट्रीय सेमीनार, 13 राष्ट्रीय वर्कशाप, 06 अंतर्राष्ट्रीय वर्कशाप, 30 स्टेट लेवल वर्कशाप, 50 राष्ट्रीय वेबीनार में अपनी सहभागिता दी है। डॉ. टांडेकर के मार्गदर्शन में 24 राष्ट्रीय सेमीनार/वर्कशाप, 01 अंतर्राष्ट्रीय सेमीनार तथा 500 से अधिक अतिथि व्याख्यान, कौशल उन्नयन, व्यक्तित्व विकास, रोजगार मार्गदर्शन कार्यक्रम आयोजित किये गये है। इन्हें 15 वर्ष एन.एस.एस. कार्यक्रम अधिकारी, 05 वर्ष एन.एस.एस. जिला संगठक, 03 वर्ष सेकेंड लेफ्टिनेंट एन.सी.सी. अधिकारी, 05 वर्ष क्रीड़ाधिकारी, 05 वर्ष लाईब्रेरी इन्चार्ज का विशिष्ट अनुभव है।

डॉ. टांडेकर डी.आर.सी. कमेटी हेमचंद यादव विश्वविद्यालय, दुर्ग के चेयरमेन, पं. रविशंकर शुक्ल विश्वविद्यालय, रायपुर, हेमचंद यादव विश्वविद्यालय, दुर्ग तथा शासकीय महाविद्यालय, छिंदवाड़ा (म.प्र.) के बोर्ड ऑफ स्टडी के मेम्बर, हेमचंद यादव विश्वविद्यालय, दुर्ग के कार्यपरिषद् एवं विद्यापरिषद् के सदस्य तथा 04 विभिन्न महाविद्यालयों एवं विश्वविद्यालयों के अकादमिक काउंसिल के मेम्बर है। सामाजिक कार्यो जैसे- ब्लड डोनेशन, पर्यावरण, स्वास्थ्य शिविर, वृक्षारोपण, सद्भावना दौड़, महिला स्व-सहायता समूह गठन, ग्रामीण विकास कार्यक्रम, युवा उत्सव कार्यक्रम, पल्स पोलियों कार्यक्रम, पढ़ना-बढ़ना कार्यक्रम, महिला जागरुकता कार्यक्रम इत्यादि में जिला प्रशासन की ओर से प्रतिनिधित्व किया।

डॉ. टांडेकर को पूर्व में भी कई राज्यस्तरीय एवं राष्ट्रीय पुरस्कारों से सम्मानित किया गया है, जिसमें (1) भारतीय दलित साहित्य अकादमी द्वारा भीम चेतना अवार्ड, (2) नेशनल फूले टैलेंट रिसर्च अकादमि द्वारा महात्मा फूले टैलेंट रिसर्च नेशनल अवार्ड 2015, (3) छ.ग. अनुसूचित विकास परिषद् द्वारा संत शिरोमणी गुरु रविदास सामाजिक चेतना एवं दलित उत्थान सम्मान, (4) विक्रमशिला हिंदी विद्यापीठ भागलपुर (बिहार) द्वारा विद्यावाचस्पति अवार्ड 2016, (5) इन्टरनेशनल यूथ इकानॉमी ऐसोसियेशन एंड सोशल साइंस एंड मैनेजमेंट वेलफेयर ऐसोसियेशन जबलपुर द्वारा रिसर्च एक्सिलेंस अवार्ड तथा (6) हर्ष वर्धन पब्लिकेशन प्रायवेट लिमिटेड द्वारा इनोवेटिव रिसर्च नेशनल अवार्ड (7) लाईफ टाईम अचिव्हमेंट अवार्ड प्रमुख है।

डॉ. टांडेकर के उपरोक्त उपलब्धि को देखते हुए उन्हें संस्थान द्वारा लाईफ टाइम अचीवमेंट अवार्ड 2023 प्रदान किया गया। डॉ. टांडेकर के इस उपलब्धि पर महाविद्यालय के प्राध्यापक डॉ. डी.पी. कुर्रे, डॉ. एच.एस. भाटिया, डॉ. एस.के. उके, सुश्री रागिनी, संजय देवांगन, डॉ. अनिता शंकर, डॉ. के.एल. दामले, डॉ. दिव्या देशपाण्डे, श्रीमती रीमा साहू, श्रीमती ललिता साहू, परस राम ग्रंथपाल, हीरेन्द्र बहादुर ठाकुर, लेखा प्रसाद उर्वशा, डॉ. प्रमोद महीश, डॉ. अश्वनी शर्मा, डॉ. मीना प्रसाद, डॉ. महेश श्रीवास्तव, डॉ. संजय ठिसके, डॉ.के.के. देवांगन, अरुण चौधरी क्रीडाअधिकारी, डॉ. शंकरमुनि राय, डॉ. प्रवीण साहू, डॉ. अनिता साहा, डॉ. सुमीता श्रीवास्तव, डॉ. बी.एन. जागृत, डॉ. पी.बी. टांक, एच.सी. जैन, डॉ. नीलू श्रीवास्तव,, डॉ. माजिद अली, अतिथि व्याख्याता डॉ. दिव्या पवार, रजिस्ट्रार दीपक कुमार परगनिहा, जी.डी. वैष्णव, सुनील सिंह, भूपेन्द्र देवांगन ने बधाई दी।

# दिग्विजय महाविद्यालय में सोनाटा फाईनेंस प्रायवेट लिमिटेड के कैम्पस का आयोजन

दिग्विजय कैम्पस

**शासकीय दिग्विजय महाविद्यालय, राजनांदगांव के प्राचार्य डॉ.के.एल. टांडेकर के निर्देशन एवं रोजगार एवं मार्गदर्शन प्रकोष्ठ के तत्वावधान में सोनाटा फईनेंस प्रायवेट लिमिटेड द्वारा कैम्पस का आयोजन किया गया।**

कैम्पस के प्रारंभ में प्राचार्य ने उपस्थित विद्यार्थियों को संबोधित करते हुए कहा कि कम्पनी स्वयं महाविद्यालय में रोजगार देने के लिए आयी है, अत: विद्यार्थियों को इसका अधिक से अधिक लाभ उठाना चाहिए। कैम्पस में चयन हो या न हो परंतु विद्यार्थियों को उनके भावी जीवन के लिए अनुभव अवश्य प्राप्त होगा। रोजगार एवं मार्गदर्शन प्रकोष्ठ के संयोजक डॉ. संजय ठिसके ने सोनाटा फईनेंस प्रायवेट लिमिटेड के कैम्पस के संबंध में विद्यार्थियों को संक्षिप्त जानकारी प्रदान की। इस कैम्पस में सोनाटा फईनेंस प्रायवेट लिमिटेड, राजनांदगांव जिले के क्षेत्रीय अधिकारी शशांक नेमा एवं एच.आर. रिया सिंह ने उपस्थित रहकर

**12 विद्यार्थियों का हुआ चयन**

महाविद्यालय के 49 विद्यार्थियों का साक्षात्कार लिया एवं उनमें से 12 विद्यार्थियों का चयन बिजनेस रिलेशन एक्जिक्टिव के पद हेतु किया। कैम्पस के आयोजन में महाविद्यालय के रजिस्ट्रार दीपक कुमार परगनिहा, रोजगार एवं मार्गदर्शन प्रकोष्ठ के सदस्य डॉ. प्रवीण साहू एवं सुश्री सृष्टि शर्मा का सराहनीय योगदान रहा। प्राचार्य डॉ.के.एल. टांडेकर ने इसके लिए संयोजक डॉ. ठिसके, रोजगार एवं मार्गदर्शन प्रकोष्ठ के सदस्यों एवं चयनित विद्यार्थियों को बधाई दी।

# मीडिया का क्षेत्र हमेशा संभावनाओं से भरा होता है-प्राचार्य डॉ. टांडेकर

दिग्विजय कैम्पस

**शासकीय दिग्विजय स्वशासी स्नातकोत्तर महाविद्यालय, राजनांदगांव के प्राचार्य डॉ.के.एल.टांडेकर के मार्गदर्शन एवं पत्रकारिता विभाग के विभागाध्यक्ष , डॉ.बी.एन.जागृत के नेतृत्व में एक दिवसीय अतिथि व्याख्यान का आयोजन किया।**

दूरदर्शन रायपुर से विषय विशेषज्ञ नीलम सोना निर्देशक डी. डी. किसान , दूरदर्शन रायपुर एवं दिल्ली दूरदर्शन रहे। कार्यक्रम की अध्यक्षता प्राचार्य डॉ. के.एल.टांडेकर ने की।

कार्यक्रम में नीलम सोना के साथ ही कैमरामेन मनोज लोखंडे एवं दूरदर्शन यूनिट की पूरी टीम उपस्थित रही। राजगीत से प्रारंभ इस व्याख्यान में विभागाध्यक्ष डॉ.बी.एन.जागृत ने स्वागत उद्बोधन में कार्यक्रम की रूपरेखा पर प्रकाश डालते हुए कहा कि इस तरह के व्याख्यान आयोजि करने का उद्देश्य है कि

हम उस क्षेत्र के ऐसे लोगों के सुने जो हमारे विद्यार्थियों को कैरियर गाईडेंस दे सकें। प्रत्येक व्याख्यान से कुछ न कुछ दिशा मिलती है इसलिए मैं कहती हूँ कि तकरीर वह फूल है, मेरे बच्चों , जिसकी महक कभी जाती नहीं। प्राचार्य डॉ. के.एल.टांडेकर ने कहा कि यह कार्यक्रम बहुत ही महत्वपूर्ण है। भविष्य की अपार संभावनाओं वाला आपका क्षेत्र है। कोई भी सकारात्मक सोच के साथ इस क्षेत्र में प्रवेश करता है तो वह निश्चत ही सफल होता है आज हमारे बीच इस क्षेत्र के सफल व्यक्तित्व उपस्थित है निश्चत ही उनका वक्तव्य आपका मार्ग प्रशस्त्र करेगा। विषय विशेषज्ञ नीलम सोना ने कहा टी. वी. प्रोडक्शन विषय पर चर्चा करते हुए बताया कि आज आप नहीं कह सकते है कि हमारे पास संसाधन नहीं है। आपके हाथ में आपका संसाधन जिसे हम मोबाइल कहते है। प्रत्येक क्षेत्र विडियो का निर्माण , फेटोसूट कर सकते है। आपने पावर पाईट प्रेजेन्टेशन के माध्यम से उन्होंने एड शूट करने का तरीका बताया कि कैसे बिना डायलांग के भी आप अपनी बात लोगों तक पहुंचा सकते है। विज्ञापन के क्षेत्र में भी नाम और पैसा दोनों है। फेकिवोल का विज्ञापन दिखाकर उन्होंने बताया कि जरूरी नहीं आपके डाक्यूमेंट्री में संवाद हो यह देखिये ये फेविकोल का जोड् है का मेसेज आपने आप प्रसारित हो रहा है।

# दिग्विजय महाविद्यालय के चार शोध परियोजना के प्रस्ताव की स्वीकृति

दिग्विजय कैम्पस

**दिग्विजय महाविद्यालय के प्राध्यापकों ने शोध एवं अनुसंधान के क्षेत्र में एक विशिष्ट उपलब्धि हासिल की है। महाविद्यालय के इतिहास में ऐसा पहली बार हुआ है कि जब एक अकादमिक वर्ष में महाविद्यालय के चार शोध परियोजना के प्रस्ताव को नामी संस्थानों ने मंजूरी दी है।**

इन चार शोध परियोजनाओं में दो वृहद परियोजना है जबकि दो लघु शोध परियोजना है। एक वृहद शोध परियोजना भारत निर्वाचन आयोग से स्वीकृत हुई है जिसके लिए 6.80 लाख रुपए प्राप्त हुई है। इस राशि से आगामी छत्तीसगढ़ विधानसभा के निर्वाचन के परिपेक्ष में दुर्ग संभाग के सभी 20 विधानसभा क्षेत्रों में बेसलाइन सर्वे किया जाना है। इस बेसलाइन सर्वे में

दुर्ग संभाग के मतदाताओं के मतदान के प्रति अभिरुचि व व्यवहारों का विश्लेषण किया जाएगा। इस शोध परियोजना के समन्वयक अर्थशास्त्र विभाग के प्राध्यापक डॉ डी पी कुर्रे एवं मुख्य अन्वेषक वनस्पति विज्ञान के प्राध्यापक डॉ त्रिलोक कुमार होंगे। सहायक अन्वेषक के रूप में वनस्पति विभाग के प्राध्यापक डॉ सोनल मिश्रा तथा रसायन शास्त्र विभाग के प्रो गोकुल निषाद है। दूसरी वृहद शोध परियोजना हेतु राज्य योजना आयोग छत्तीसगढ़ से 5.00 लाख रुपए प्राप्त हुई है। इस शोध परियोजना के मुख्य अन्वेषक अर्थशास्त्र विभाग के वरिष्ठ प्राध्यापक डॉ महेश श्रीवास्तव है तथा अंग्रेजी विभाग के वरिष्ठ प्राध्यापक डॉ नीलू श्रीवास्तव इस शोध परियोजना के सहायक अन्वेषक हैं।

इस राशि से छत्तीसगढ़ के बैगा जनजाति समुदाय के लोगों की साक्षरता रोजगार एवं स्वास्थ्य आदि पहलुओं का अध्ययन किया जाएगा तथा इस क्षेत्र में संचालित सरकारी कार्यक्रमों की समीक्षा भी की जाएगी। तीसरी शोध परियोजना लघु शोध परियोजना है और इसके लिए भारतीय सामाजिक विज्ञान अनुसंधान परिषद नई दिल्ली से 4.28 लाख रुपए प्राप्त हुई है। इस शोध परियोजना के मुख्य अन्वेषक संस्कृत विभाग के प्राध्यापक डॉ ललित प्रधान आर्य है। इस शोध परियोजना से छत्तीसगढ़ी व संस्कृत भाषा के बीच अंतर संबंध पर विस्तृत अध्ययन किया जाएगा। इससे यह पता चल सकेगा कि संस्कृत व छत्तीसगढ़ी भाषा के बीच संबद्धता कितनी है और कितनी ऐतिहासिक है।

आई सी एस एस आर भारत की एक प्रतिष्ठित फंडिंग संस्था है जो सामाजिक विज्ञान के क्षेत्र में शोध व अनुसंधान कार्य को प्रोन्नत करता है। चौथी लघु शोध परियोजना हेतु छत्तीसगढ़ वित्त आयोग से 80,000/- प्राप्त हुई है। वाणिज्य विभाग के सहायक प्राध्यापक सुश्री रागिनी पराते इस परियोजना के मुख्य अन्वेषक है।

# विद्यार्थी बुक बैंक योजना होगी लाभकारी

दिग्विजय कैम्पस

**शासकीय दिग्विजय महाविद्यालय वनस्पति शास्त्र विभाग में 04 मई 2023 को महाविद्यालय के प्राचार्य डॉ. के. एल. टांडेकर के मार्गदर्शन एवं निर्देशन में विद्यार्थी बुक बैंक योजना कार्यक्रम रखा गया।**

इस योजना की शुरुवात पिछले वर्ष महाविद्यालय के वनस्पति शास्त्र विभाग द्वारा की गई हैं। इस योजना के तहत एमएससी अंतिम सेमेस्टर के विद्यार्थियो के द्वारा विभाग को पाठ्यपुस्तक एवं संदर्भ पुस्तकें दिया जाता हैं। गतवर्ष के समान इस वर्ष भी एमएससी अंतिम सेमेस्टर के विद्यार्थी भारती चुरेंद्र, छबीलाल यादव, डाकेश रावते, धनिता साहु, गीतांजली चतुर्वेदी, गीतूराम कंवर, हर्ष साहु, हेमलता बढ़ाई, कीर्ति रावते, मीरा यादव, नुसरत परवीन, पल्लवी बोगा, साधना, स्वाति सिन्हा, तिलेश्वरी वर्मा, उषा साहु, वेणु अमृत एवं योगमाया रावते (18 विद्यार्थियों) द्वारा पाठ्य पुस्तक एवं संदर्भ पुस्तके विभाग के पुस्तकालय में विद्यार्थी बुक बैंक योजना के तहत प्रदान की गई।

कार्यक्रम के प्रारंभ मे विभागाध्यक्ष डॉ. अनीता महेश्वर ने प्राचार्य डॉ के एल टांडेकर का स्वागत पुष्प गुच्छ से किया गया।

कार्यक्रम के शुरुवात में डॉ. त्रिलोक कुमार ने बुक बैंक योजना का लाभ एवम दूरगामी परिणाम को बताया, तथा भविष्य में ये योजना कैसे लाभकारी होगी ये बताया। महाविद्यालय के प्राचार्य डॉक्टर के. एल. टांडेकर ने अपने उद्बोधन में इस योजना की सहराना की एवं विद्यार्थियों को संबोधित करते हुए, बुक बैंक योजना का लाभ एवम प्रतियोगी परीक्षा की तैयारी आप कैसे करें इनकी जानकारी साझा की तथा कहा कि इस प्रकार के प्रेरणादायक योजना से विद्यार्थी अधिक से अधिक लाभान्वित होंगे तथा दूसरे संस्थानों द्वारा इस योजना का अनुकरण किए जाने की जानकारी प्राचार्य महोदय द्वारा दी गई। कार्यक्रम का संचालन डॉ. त्रिलोक कुमार द्वारा किया गया एवं डॉ अनीता महेश्वर द्वारा धन्यवाद ज्ञापन दिया गया। इस अवसर पर विभाग के डॉ. सोनल मिश्रा, डॉ. केशव राम आडिल, सहित एम.एस.सी. वनस्पति शास्त्र एवं सेमेस्टर के लगभग 30 विद्यार्थीगण उपस्थित रहे।

## संपादकीय...

# समय का जीवन में विशिष्ट महत्व

समय का जीवन में विशिष्ट महत्व है। इसीलिए अंग्रेजी में कहा गया है। वास्तव में समय ऐसा धन है जिसे जो सोच - समझ कर खर्च करता है, वह जीवन में कभी फेल नहीं होता। वक्त कभी हमारा इंतजार नहीं करता वरन वक्त के साथ हमें चलना पड़ता है। विद्यार्थियों के लिए यह समय अपनी परीक्षा की तैयारी के लिए विशेष होता है। आज की तैयारी कल के लिए नए रास्ते खोलती है। महात्मा कबीर दास ने भी कहा है।

**कल करे सो आज कर, आज करे सो अब।**
**पल में प्रलय होगा, बहुरि करेगा कब।।**

कभी भी यह समझने की भूल मत करना कि अभी नहीं, अभी तो समय है ऐसी सोच मूर्खता की पहचान है। कल किसने देखा है?कल क्या होने वाला है, किसको पता है? विद्यार्थियों को काम टालने की आदत से बचना चाहिए। छात्र जीवन में महाविद्यालयीन अध्यापन का समय जीवन का टर्निंग पॉइंट होता है। इस समय जिसने स्व अनुशासन का पालन करना सीख लिया वह जीवन में लक्ष्य लेकर आगे बढ़ता है।

हमारे ऋषि - मुनियों ने भी आत्म नियंत्रण से ही बड़ी-बड़ी सिद्धियां प्राप्त की हैं। खुद पर नियंत्रण बहुत ही संयम और बड़ी साधना है। इसी को हम योग कहते हैं। यम, नियम, संयम, साधना, योग, ध्यान ये समस्त तत्व ज्ञान प्राप्ति के साधन है। आधुनिकता के सैलाब में आज का युवा ऐसा बह रहा है कि उसे गहराई का एहसास भी नहीं है। ऐसे समय में उनका समय का महत्व समझना और भी जरूरी है ताकि वे अपने उद्देश्य में सफल हो सके।

**- डॉ. बी. नन्दा जागृत**
**विभागाध्यक्ष, पत्रकारिता विभाग**

# शिक्षा नीति पर कार्यशाला का आयोजन

**अकादमिक बैंक ऑफ क्रेडिट पर सफल आयोजन**

शासकीय दिग्विजय स्वशासी स्नातकोत्तर महाविद्यालय राजनांदगांव में नई राष्ट्रीय शिक्षा निति 2020 के अंतर्गत स्नातक चार वर्षीय स्नातक पाठ्यक्रम की सरंचना के लिए एक दिवसीय कार्यशाला का आयोजन 02 मई 2023 को सम्पन्न हुआ। विदित हो की छत्तीसगढ़ के आठ स्वशासी महाविद्यालय में सत्र 2022.23 में नई राष्ट्रीय शिक्षा निति लागू कर दिया है इसके अंतर्गत अब स्नातक चार वर्ष का होगा।

सत्र 2022.23 में स्नातक प्रथम व् द्वितीय सेमेस्टर सम्पन्न हो जाएगा। 44 क्रेडिट लेकर प्रथम वर्ष परीक्षा पास करने के पश्चात विद्यार्थी को स्नातक सर्टिफिकेट की पात्रता होगी। इस तारतम्य में प्राचार्य डॉ. के. एल. तांडेकर के मार्गदर्शन मेंस्वशासी परीक्षा प्रकोष्ठ तथा फ्काब् के संयुक्त तत्वाधान एक दिवसीय कार्यशाला का आयोजन किया गया जिसके संयोजक डॉ. अंजना ठाकुर तथा आयोजन सचिव डॉ. हेमन्त कुमार साव, डॉ.

एस. के. उके एवं गोकुल राम निषाद रहे।

कार्यशाला के उद्घाटन सत्र में विधिवत समस्त मंचासीन प्राचार्य महोदय, डॉ. एच. एस. भाटिया एवं डॉ. अंजना ठाकुर का पुष्पगुच्छ से सम्मान किया गया तत्पश्चात डॉ. अंजना ठाकुर द्वारा स्वागत उद्बोधन प्रस्तुत किया गया जिसमे कार्यशाला की रुपरेखा के बारे में संक्षिप्त जानकारी दी गई।

कार्यक्रम के अध्यक्षीय उद्बोधन में सभा को संबोधित करते हुए महाविद्यालय के प्राचार्य डॉ. के. एल. तांडेकर ने बताया की नई राष्ट्रीय शिक्षा निति में विद्यार्थी के सम्पूर्ण विकास के लिए ऐसे पाठ्यक्रम की सरंचना की जाए की विद्यार्थी चार वर्षीय पाठ्यक्रम पूर्ण करने के पश्चात विद्यार्थी के अन्दर कौशल क्षमता, अकादमिक ज्ञान, मूल्य वर्धित ज्ञान से परिपूर्ण हो, जिससे आसानी से रोजगार प्राप्त कर सके। आज के कार्य शाला में स्नातक द्वितीय वर्ष, तृतीय वर्ष तथा चतुर्थ वर्ष के पाठ्यक्रम सरंचना पर विस्तार से चर्चा की गई। कार्यशाला के प्रथम तकनिकी सत्र में स्वशासी परीक्षा विभाग के उपनियंत्रक डॉ. हेमन्त कुमार साव ने बताया की 88 क्रेडिट लेकर द्वितीय वर्ष की परीक्षा पास करने के उपरान्त विद्यार्थी को स्नातक डिप्लोमा की पात्रता होगी।

# सॉफ्टवेयर टेक्नोलॉजी पार्क ऑफ इंडिया का भ्रमण

दिग्विजय कैम्पस

शासकीय दिग्विजय महाविद्यालय, राजनांदगांव के प्राचार्य डॉ. के. एल. टांडेकर के निर्देशानुसार एवं कम्प्यूटर साइंस विभाग के विभागाध्यक्ष प्रो. राजू खूंटे के मार्गदर्शन में 28 अप्रैल 2023 को शैक्षणिक भ्रमण कार्यक्रम के अंतर्गत एमएससी. (कम्प्यूटर साइंस) द्वितीय तथा चतुर्थ सेमेस्टर के विद्यार्थियों ने मिनिस्ट्री ऑफ इलेक्ट्रॉनिक्स एंड इनफर्मेशन टेक्नोलॉजी , भारत सरकार के अंतर्गत स्थापित सॉफ्टवेयर टेक्नोलॉजी पार्क ऑफ इंडिया (एस. टी. पी. आई. )भिलाई का भ्रमण किया । संस्था के उपनिदेशक मुकुल धर शर्मा ने एस.टी.पी.आई. के स्थापना , सेटअप तथा कार्यक्षेत्र के बारे में विस्तृत जानकारी दी। उन्होंने कम्प्यूटर नेटवर्किंग , इंटरनेट , सर्वर तथा क्लाउड कम्प्यूटिंग को भी बहुत ही रोचक तरिके से समझाया। शर्मा ने सर्वर रूम में उपस्थित उपकरणों तथा उनकी कार्यप्रणाली के बारे में भी विद्यार्थियों को बताया । इस कार्यक्रम में उमेश चौबे ( टेक्निकल ऑफिसर) एस. टी. पी. आई. , भिलाई तथा कम्प्यूटर साइंस परिसद के अध्यक्ष सुभम कुमार की विशेष भूमिका रही । कार्यक्रम में एमए, एससी (कम्प्यूटर साइंस) द्वितीय तथा चतुर्थ सेमेस्टर के विद्यार्थियों के साथ –साथ विभाग के अतिथि व्याख्याता रामअवतार तथा रोहिणी समरिथ की उपस्थिति रही।

# शैक्षणिक भ्रमण के दौरान पत्रकारिता के विद्यार्थियों ने देखी दूरदर्शन की कार्यप्रणाली

दिग्विजय कैम्पस

शासकीय दिग्विजय स्वशासी स्नातकोत्तर महाविद्यालय, राजनांदगांव पत्रकारिता एवं जनसंचार (बीएजेएमसी) विभाग के 50 विद्यार्थियों की टीम शैक्षणिक भ्रमण कार्यक्रम के दौरान दूरदर्शन की कार्यप्रणाली देखने को मिला। टीम का मार्गदर्शन प्राचार्य डॉ.के.एल.टांडेकर और पत्रकारिता विभागाध्यक्ष डॉ.बी.एन.जागृत, के नेतृत्व में किया। भ्रमण में दूरदर्शन के स्टूडियो, पावर सप्लाई रूम, संपादन कक्ष सहित अन्य विभागों को भी विद्यार्थियों ने देखा और उनके कार्यों को जाना।

निर्देशक डी. डी. किसान, दूरदर्शन, रायपुर निलाम सोना ने इस दौरान स्टूडेंट्स को स्टूडियो संरचना, थ्री कैमरा शूटिंग,

लाइटिंग के सिद्धांत, पीसीआर कक्ष एवं एडिटिंग की जानकारी दी। स्टूडियो में लाइव, टेलीप्रॉम्टर, लाइट्स, प्रोफेशनल कैमरा, क्रोमा स्क्रीन आदि के बारे में विस्तार से बताया गया। साथ ही तकनीक क्षेत्र में ध्यान देने योग्य बातें, साउंड व वीडियो का सही सामंजस्य, इफेक्ट्स आदि की जानकारी दी।

वहीं इंजीनियरिंग हेड शालनी गुप्ता ने तकनीकी विभाग के बारे में रुबरुब करवाया। एवं यह भी बताया कि न्यूज एंकर को एंकरिंग के दौरान स्क्रिप्ट व तकनीक की जानकारी होना चाहिए, साथ ही प्रस्तुतिकरण का भी खास ध्यान रखना चाहिए। दूरदर्शन के लिए समाचार लिखने के तरीके, स्रोत, शब्दों का चयन, प्रस्तुतिकरण आदि की जानकारी दी। विद्यार्थियों ने अपनी जिज्ञासएं व्यक्त की जिनका समाधान नीलम सोना एवं विभागीय विशेषज्ञयों ने किया साथ ही सभी विद्यार्थी को दूरदर्शन केन्द्र रायपुर में टीवी प्रोडक्शन से जुडे प्रत्येक कार्य को हमसे मिलकर प्रायोगिक तौर से करने की सुझाव दी गई। शैक्षणिक भ्रमण कार्यक्रम के दौरान अमितेश सोनकर, सेऊक दास, शोध छात्रा बिन्दु डनसेना का विशेष सहयोग रहा।

# इतिहास विभाग में शिक्षक - अभिभावक सम्मेलन का आयोजन

**राजनांदगांव।** शासकीय दिग्विजय महाविद्यालय, राजनांदगांव के इतिहास विभाग में प्राचार्य डॉ. के.एल. टांडेकर के मार्गदर्शन में शिक्षक - अभिभावक

सम्मेलन का आयोजन किया गया। विभागाध्यक्ष डॉ. शैलेन्द्र सिंह, प्रो. हीरेन्द्र बहादुर ठाकुर तथा प्रो. हेमलता साहू ने बैठक में उपस्थित अभिभावकों को विभाग तथा महाविद्यालय से दी जाने वाली सुविधाओं के बारे में जानकारी प्रदान की गई। अभिभावकों ने विभाग तथा महाविद्यालय द्वारा दी जाने वाली सुविधाओं से अपनी संतुष्टि जाहिर की। पालकों ने भी अपनी सुझाव दिए। उपस्थित सभी पालकों द्वारा विभाग द्वारा आयोजित राष्ट्रीय शैक्षिक भ्रमण का सराहना करते हुए कहा गया कि ऐसे भ्रमण अवश्य आयोजित होने चाहिए। एम.ए. अंतिम की छात्र रेशु राजपूत की माता शारदा देवी राजपूत ने विभाग द्वारा आयोजित की जाने वाली प्रतियोगी परीक्षा हेतु व्याख्यान उत्कृष्ट बताते हुए कहा कि इससे सभी विद्यार्थियों को लाभ पहुचेगा। छात्रा रश्मि तिवारी की माता आशा तिवारी ने कहा कि हम अपने बच्चों की पढ़ाई से प्रसन्न है तथा विभाग द्वारा दी जाने वाली सुविधाओं से भी हमें काफी सहयोग मिलता है। श्रीमती सुशीला साहू ने महाविद्यालय द्वारा विवेकानंद सहायता राशि प्रदान करने पर भी अपने खुशी व्यक्त की।

# दिग्विजय महाविद्यालय को मिला सावित्रीबाई फुले समता नेशनल अवार्ड

दिग्विजय कैम्पस

**शासकीय दिग्विजय महाविद्यालय को शिक्षा के क्षेत्र में उल्लेखनीय कार्य के लिए समता साहित्य अकादमी नई दिल्ली द्वारा क्रान्तिज्योति सावित्रीबाई फुले समता नेशनल अवार्ड 2023 प्रदान किया गया।**

यह अवार्ड समता साहित्य अकादमी के 15वें सम्मान समारोह में 21 मई 2023 को नई दिल्ली में बोसवेन्द्र पासवान, पूर्व मंत्री नेपाल सरकार, कर्नल पार्वती जांगींड सिस्टर ऑफ सोलज़ एवं चेयरपर्सन यूथ पार्लियामेंट आफ्इंडिया, वीर दाहिया प्रसिद्ध गायक एवं अभिनेता, डॉ. एन.एस. खोबा राष्ट्रीय अध्यक्ष बाबू जगजीवन राम कला संस्कृति एवं साहित्य अकादमी दिल्ली, डॉ. नथ्थू लाल बेरवा स्टेट प्रेसीडेंट समता साहित्य अकादमी दिल्ली की उपस्थिति में प्रदान किया गया। यह अवार्ड महाविद्यालय के प्राचार्य डॉ.के.एल. टांडेकर एवं महाविद्यालय के रजिस्ट्रार दीपक कुमार परगनिहा ने नई दिल्ली में आयोजित सम्मान समारोह में ग्रहण किया। महाविद्यालय के जनभागीदारी समिति के अध्यक्ष रईस अहमद शकील ने महाविद्यालय के इस उपलब्धि पर हर्ष व्यक्त करते हुए कहा कि महाविद्यालय राज्य का एक चिन्हित और बड़ा महाविद्यालय है जो शिक्षा के क्षेत्र में उल्लेखनीय कार्य कर रहा है। इस महाविद्यालय से पढ़ कर निकले विद्यार्थी प्रशासन, खेल, सेना, रेल्वे, बैंक, राजनीति सभी क्षेत्रों में अपनी उपस्थिति दर्ज करा रहे है। यह अवार्ड महाविद्यालय के इन उपलब्धियों को दर्शाता है और इसके लिए जनभागीदारी समिति के सभी सदस्य, महाविद्यालय के प्राचार्य डॉ. के.एल. टांडेकर, महाविद्यालय के सभी प्राध्यापक /सहा.प्राध्यापक / अतिथि शिक्षक/ अधिकारीगण एवं कर्मचारियों का विशेष योगदान रहा है और इसके लिए उन्होंने प्राचार्य डॉ. के.एल. टांडेकर एवं महाविद्यालय परिवार को बधाई दी। इस अवसर पर जनभागीदारी समिति के सदस्य अमित चन्द्रवंशी, संदीप जायसवाल, महाविद्यालय के प्राध्यापक डॉ.डी.पी. कुर्रे, डॉ. के.एल. दामले उपस्थित रहे।

# IQAC बाह्य समिति की बैठक संपन्न

दिग्विजय कैम्पस

18 मई को शासकीय दिग्विजय स्वशासी स्नातकोत्तर महाविद्यालय राजनांदगांव में IQAC की बाह्य समिति की तिमाही बैठक का आयोजन किया गया। संस्था के प्राचार्य डॉ. के.एल. टांडेकर ने सभी अतिथियों का पुष्पगुच्छ से स्वागत करते हुए बाहय समिति के सदस्यों को पिछली तिमाही की बैठक में निर्धारित कार्य योजना के क्रियान्वयन संबंधी जानकारी देते हुए बताया की प्रति 3 माह में बाह्य समिति की बैठक आयोजित की जाती है आज के बैठक में आगामी 3 माह की रणनीति और कार्य योजना को समिति के समक्ष रखा जाएगा। प्राध्यापको और विद्यार्थियों को सुविधाएं उपलब्ध कराना, रोजगार मार्गदर्शन के साथ विद्यार्थियों के लिए अन्य गतिविधियां आयोजित की जानी है। साथियों ने बताया की अकादमी को वर्ष 2024 के जुलाई माह में महाविद्यालय में NAAC चतुर्थ सत्र में प्रवेश कर रहा है, शोध गतिविधियों को बढ़ाए जाने की आवश्यकता है, 50 लाख तक की प्रोजेक्ट प्राप्त होने से NAAC में रैंकिंग में अच्छी बढ़त मिलेगी। जिसने महाविद्यालय जनभागीदारी समिति के अध्यक्ष रईस अहमद शकील, श्रीमती प्रियंका श्रीरंगे जिला पंजीयक, अब्दुल रशीद खान (पूर्व डी.एस.पी.), आनंद सारथी पूर्व

विद्यार्थी, शरद खंडेलवाल (उद्योगपति), राजीव खंडेलवाल सम्मिलित हुए। जनभागीदारी अध्यक्ष रईस अहमद शकील ने कहा की जनभागीदारी समिति महाविद्यालय के अधोसंरचना के विकास के लिए 1.70 करोड़ के फंड की सहायता का आश्वासन दिया।

दयानंद शास्त्री ने कहा कि महाविद्यालय लक्ष्य की ओर अग्रसर है। अब्दुल रशीद खान ने कहां कि शोध को बढ़ाना हमारी प्राथमिकता होनी चाहिए। शरद अग्रवाल (अध्यक्ष चेंबर ऑफ कॉमर्स) ने वैल्यू ऐडेड कोर्स कराने, प्रैक्टिकल ट्रेनिंग प्रोग्राम, जिला उद्योग केंद्र से जुड़ने, औद्योगिक क्षेत्रों के भ्रमण और इंटर्नशिप संबंधी सुझाव दिए। श्रीमती प्रियंका से रंगे जिला पंजीयक ने बताया कि उद्योग विभाग की विभिन्न परियोजनाओं से विद्यार्थियों को अवगत कराए जाने से विद्यार्थी उद्यमिता की ओर अग्रसर होंगे। सूरज खंडेलवाल ने कहा महाविद्यालय के विद्यार्थियों के हित के लिए चेंबर ऑफ कॉमर्स हर तरह से मदद के लिए प्रतिबद्ध है। IQAC सदस्य डॉ माजिद अली ने एल्यूमिनी एसोसिएशन की बैठक प्रतिवर्ष आयोजित कराए जाने की का सुझाव दिया। डॉ डी के वर्मा ने अपने रिसर्च पेटेंट की जानकारी भी दी। NAAC संयोजक डॉ के.के. देवांगन ने बाहय समिति के समस्त सदस्यों का धन्यवाद ज्ञापित किया। उक्त बैठक में जी एस भाटिया डॉ डी.पी. कुर्रे , डॉ के.के.देवांगन, गुरप्रीत सिंह भाटिया, डॉ. माजिद अली, डॉ डी.के. वर्मा, रागिनी पराते, श्रीमती हेमपुष्पा , चिरंजीव पाण्डेय उपस्थित रहे।

# महाविद्यालय के उतरोत्तर विकास में भूतपूर्व विद्यार्थियों का सहयोग अपेक्षित-रईस अहमद

दिग्विजय कैम्पस

शासकीय दिग्विजय महाविद्यालय के जनभागीदारी समिति के अध्यक्ष ने सदस्यों के साथ महाविद्यालय में कराये जाने वाले निर्माण कार्य एवं NIRF समिति के कार्यो की समीक्षा की। महाविद्यालय में जनभागीदारी समिति ने छात्रों की बढ़ती संख्या को देखते हुए कक्ष निर्माण हेतु प्रस्ताव पास किया है, प्रस्ताव की प्रगति के लिए जनभागीदारी समिति के अध्यक्ष एवं सदस्य महाविद्यालय पहुंचे थे।

इस दौरान NIRF द्वारा किये जा रहे कार्यो की भी जानकारी ली। प्राचार्य डॉ.के.एल. टांडेकर ने बताया कि सन् 2019 से 2023 के मध्य महाविद्यालय से उत्तीर्ण हुए वे सभी प्रतिभावान विद्यार्थी जो किसी न किसी संस्था में कार्य कर रहे है या स्वयं का कोई रोजगार कर रहे है वे महाविद्यालय के वेबसाइट में दिये गये लिंक में अपना पंजीयन कराये जिससे महाविद्यालय को आने वाले नैक में इसका लाभ मिल सके। इस पर शकील ने भूतपूर्व विद्यार्थी से अपील की है कि वे महाविद्यालय के Web site- www.gdcr.ac.in में दिये गये लिंक में अपना अनिवार्यरुप से पंजीयन कर महाविद्यालय के विकास एवं ग्रेडिंग में अपना सहयोग प्रदान करें। इस दौरान जनभागीदारी समिति के सदस्य मो. इब्राहिम, मो. हसन. झम्मन देवांगन, मनीष गौतम, अमित चंद्रवंशी, महाविद्यालय के प्राध्यापक डॉ एच. एस. भाटिया, डॉ डी.के.वर्मा उपस्थित थे।

# दीपक परगनिहा अंतर महाविद्यालय निबंध प्रतियोगिता में लगातार दूसरे वर्ष हुए पुरस्कृत

दिग्विजय कैम्पस

हेमचंद यादव दुर्ग विश्वविद्यालय द्वारा विश्व पर्यावरण दिवस के अवसर पर अंतर महाविद्यालय निबंध प्रतियोगिता का आयोजन किया गया था जिसमे 02 वर्ग में प्रतियोगिता आयोजित की गई थी, प्रथम वर्ग विद्यार्थियों हेतु एवं द्वितीय वर्ग 07 जिलों के आम नागरिकों के लिए था।

विश्वविद्यालय अंतर्गत आने वाले 07 जिलों दुर्ग, बेमेतरा, राजनादगांव, बालोद, कवर्धा, खैरागढ़, अम्बागढ़ चौकी के नागरिकों सहित अधिकारियों कर्मचारियों ने अपना निबंध भेजा था। निबंध का विषय था

''छत्तीसगढ़ में पर्यावरणीय प्रबंधन ''। इस निबंध प्रतियोगिता में शासकीय दिग्विजय महाविद्यालय के रजिस्ट्रार दीपक कुमार परगनिहा ने भी निबंध भेजा था जिसमें उन्हें चतुर्थ स्थान प्राप्त किया । उल्लेखनीय है कि विगत वर्ष 2022 के विश्व पर्यावरण दिवस के अवसर पर भी आयोजित निबंध प्रतियोगिता में उन्होंने भाग लेकर प्रथम स्थान प्राप्त किया था। महाविद्यालय के प्राचार्य डॉ. के. एल. टांडेकर एवं महाविद्यालय परिवार ने इसके लिए रजिस्ट्रार परगनिहा को बधाई दी ।

# व्यापाम द्वारा आयोजित शिक्षक, सहायक शिक्षक एवं व्याख्याता भर्ती परीक्षा 10 जून से

दिग्विजय कैम्पस

व्यावसायिक परीक्षा मंडल, रायपुर द्वारा आयोजित शिक्षक, सहायक शिक्षक एवं व्याख्याता भर्ती परीक्षा का आयोजन 10, 11 एवं 12 जून 2023 को जिले के विभिन्न केन्द्रों में किया जा रहा है। 10 जून 2023 को प्रथम पाली में 9:00 से 12:15 बजे तक शिक्षक भर्ती परीक्षा 22 केन्द्रों में जिसमें 8871 परीक्षार्थी सम्मिलित हो रहे है, 10 जून 2023 को द्वितीय पाली में 2:00 से 5:15 बजे तक सहायक शिक्षक भर्ती परीक्षा 26 केन्द्रों में जिसमें 10339 परीक्षार्थी सम्मिलित हो रहे है।

11 जून 2023 को प्रथम पाली में 9:00 से 12:15 बजे तक व्याख्याता वाणिज्य भर्ती परीक्षा 01 केन्द्र में जिसमें 407 परीक्षार्थी सम्मिलित हो रहे है, एवं 11 जून 2023 को द्वितीय पाली में 2:00 से 5:15 बजे व्याख्याता गणित भर्ती परीक्षा में राजनांदगांव जिले में 02 परीक्षा केन्द्र में जिसमें 671 परीक्षार्थी सम्मिलित हो रहे है। 12 जून 2023 को प्रथम पाली में 9:00 से 12:15 बजे तक व्याख्याता भौतिक भर्ती परीक्षा 01 केन्द्र में जिसमें 307 परीक्षार्थी सम्मिलित हो रहे है।

# दिग्विजय महाविद्यालय के वरिष्ठ प्राध्यापक डॉ. एच.एस. भाटिया हुए सेवानिवृत्त

महाविद्यालय परिवार ने दी विदाई

शासकीय दिग्विजय महाविद्यालय के वाणिज्य विभाग के विभागाध्यक्ष डॉ. एच.एस. भाटिया अपनी अर्द्धवार्षिकीय आयु पूर्ण कर 30 जून 2023 को सेवानिवृत्त हुए। महाविद्यालय परिवार ने विदाई समारोह आयोजित कर डॉ. भाटिया की सेवाओं को याद किया। सर्वप्रथम डॉ. भाटिया के जीवन पर प्रकाश डालते हुए डॉ. त्रिलोक कुमार ने बताया कि डॉ. भाटिया उच्च शिक्षा विभाग में 23 वर्ष की उम्र से सेवा प्रारंभ कर 41 वर्ष 6 माह तक अपनी सेवाएं प्रदान की वे एम.काम, पी.एच.डी. वाणिज्य विषय के साथ पूर्ण किया। उन्होंने लगभग 30 शोध पत्रों का प्रकाशन करवाया है। 06 शोधार्थी के को-गाईड एवं 02 शोधार्थी के गाईड रहे है और वर्तमान में 03 शोधार्थी शोध कार्य कर रहे है। इस अवसर पर प्राचार्य डॉ. के.एल. टांडेकर ने कहा कि डॉ. भाटिया एक सरल हृदय, कर्तव्य निष्ठ एवं अपने कार्य के प्रति समर्पित प्राध्यापक रहे है। वे आज अपने

सेवा दिवस के अंतिम दिन भी एम.काम की कक्षा लेकर सभी के लिए आदर्श प्रस्तुत किये है।

डॉ. भाटिया ने उच्च शिक्षा विभाग को 41 वर्ष 6 माह अपनी सेवाएं दी और इस दौरान उन्हे जो भी जिम्मेदारी दी गई उसका उन्होंने सफलतापूर्वक निर्वहन किया। विदाई समारोह में डॉ. भाटिया ने अपने अनुभव साझा करते हुए बताया कि उन्होंने अपने सेवा काल के दौरान अनेक उतार-चढ़ाव देखे साथ ही छात्रसंघ प्रभारी, रेडक्रास प्रभारी, सूचना का अधिकार, विभिन्न परीक्षाओं में सहायक समन्वयक, केन्द्राध्यक्ष जैसे जिम्मेदारियों का निर्वहन किया। उच्च शिक्षा विभाग में मुझे बहुत कुछ दिया जिसमें मेरे पढाये हुए हजारो विद्यार्थी है जो देश के विभिन्न स्थानों पर सेवा दे रहे है।

विदाई समारोह में डॉ.डी.पी. कुर्रे, डॉ.एस.एम. राय, डॉ. अनिता साहा, डॉ. के.एल. दामले, डॉ.एस.के.उके, डॉ.नीलू श्रीवास्तव, डॉ.डी.के. वर्मा, डॉ. के.के. देवांगन, रजिस्ट्रार दीपक कुमार परगनिहा, क्रीडाअधिकारी अरुण चौधरी ने डॉ. भाटिया के साथ बिताये हुए पल को याद किया एवं अपने अनुभव साझा किये।

# कॉलेज में सेमेस्टर परीक्षाएं प्रारंभ

दिग्विजय कैम्पस

दिग्विजय महाविद्यालय अंतर्गत स्वशासी पाठ्यक्रम के तहत एम.ए., एम. कॉम, एम.एस.सी. की द्वितीय एवं चतुर्थ सेमेस्टर, पीजीडीसीए, डीसीए, टैली एवं योगा की द्वितीय सेमेस्टर तथा बी.ए., बी. काम., बीसीए एव बी.एस.सी. की प्रथम वर्ष की द्वितीय सेमेस्टर की परीक्षाएं 15 मई 2023 से प्रारंभ हो गई है।

महाविद्यालय के प्राचार्य डॉ. के.एल. टांडेकर ने बताया कि स्नातकोत्तर की द्वितीय एवं चतुर्थ सेमेस्टर की परीक्षाएं प्रात: पाली में 8 से 11 बजे के मध्य एवं स्नातक प्रथम वर्ष द्वितीय सेमेस्टर की परीक्षाएं दोपहर 2 से 5 बजे आयोजित की जा रही है। स्नातकोत्तर की परीक्षाएं 15 मई से प्रारंभ होकर 31 मई तक तथा स्नातक की परीक्षाएं 15 मई से प्रारंभ होकर 19 जून 2023 तक चलेगी। परीक्षा के सुचारु संचालन के लिए आवश्यक व्यवस्था की गई है, उल्लेखनीय है कि दिग्विजय महाविद्यालय में पहली बार स्नातक स्तर पर नई शिक्षा नीति के तहत सेमेस्टर पद्धति से परीक्षाएं आयोजित की जा रही है।

# पत्रकारिता पाठ्यक्रम के लिए प्रवेश प्रारंभ

दिग्विजय कैम्पस

दिग्विजय महाविद्यालय में पत्रकारिता का पाठ्यक्रम विगत 17 वर्षो से संचालित हो रहा है। प्राचार्य डॉ. के.एल. टांडेकर ने बताया कि BAJMC पाठ्यक्रम पत्रकारिता के क्षेत्र के लिए विशेष डिग्री है। दिग्विजय महाविद्यालय से पत्रकारिता में स्नातक की उपाधि लेकर कई विद्यार्थियों ने बतौर न्यूज एंकर, रेडियों जाकी एंकर एवं समाचार पत्रों में कार्य कर रहे है। यह त्रिवर्षीय स्नातक पाठ्यक्रम है जो छ: सेमेस्टर में विभक्त है।

कुशाभाऊ ठाकरे विश्व विद्यालय, रायपुर की वेबसाइट www. ktujm. ac. in पर प्रथम वर्ष के लिए ऑनलाईन प्रवेश हेतु फार्म भर सकते है। ऑफ्लाईन प्रवेश की सुविधा है, ऑनलाईन फार्म फ्लिप नहीं होने या अपरिहार्य कारण होने पर दिग्विजय महाविद्यालय में ऑफ्लाईन फार्म लेकर प्रवेश प्रक्रिया पूर्ण कर सकते है। अध्ययनरत विद्यार्थियों को पाठ्यक्रम के साथ अन्य पाठ्येत्तर गतिविधियों के माध्यम से पत्रकारिता के गुर सिखाये जाते है। सांस्कृतिक साहित्यिक विधावों का आयोजन कर प्रोत्साहित किया जाता है, ताकि उनकी झिझक दूर हो सके। विडियोंग्राफी एवं फोटोग्राफी हेतु विशेष प्रशिक्षण के लिए विभिन्न प्रतिष्ठित कंपनियों के प्रशिक्षकों द्वारा आउटडोर एवं इनडोर फोटो ग्राफी हेतु प्रशिक्षण एवं कार्यशाला आयोजित होती है। विस्तार गतिविधि कार्यक्रम के अंतर्गत अलग-अलग स्थानों पर समाचार प्रेस, न्यूज चैनलों की कार्यप्रणाली को प्रत्यक्ष दिखाया जाता है। विभागाध्यक्ष डॉ. बी.एन. जागृत ने कहा कि पत्रकारिता के क्षेत्र में कार्य करने के लिए BAJMC की डिग्री का बहुत महत्व है।

# शत्रुहन लाल वर्मा के आकस्मिक निधन पर दी भावभीनी श्रद्धांजलि

दिग्विजय कैम्पस

शासकीय दिग्विजय महाविद्यालय के बुकलिफ्टर शत्रुहन लाल वर्मा का आकस्मिक निधन 18 जून 2023 को सायंकाल को हो गया। महाविद्यालय परिवार ने अपने कर्मचारी को शोक सभा आयोजित कर भावभीनी श्रद्धांजलि अर्पित की। शोक सभा में महाविद्यालय के प्राचार्य डॉ. के.एल. टांडेकर ने श्रद्धांजली सभा में उपस्थित अधिकारियों एवं कर्मचारियों को संबोधित करते हुए कहा कि वर्मा विगत 25 वर्षो से लगातार महाविद्यालय में सेवारत रहे एवं सेवाकाल के दौरान उन्होंने अपने कर्तव्यों का कुशलता पूर्वक एवं ईमानदारी से निर्वहन किया, जो भी जिम्मेदारी उन्हे दी गई उसका उन्होंने पालन किया।

यह महाविद्यालय परिवार के लिए अपूरणीय क्षति है। संपूर्ण महाविद्यालय परिवार इस दुखद घड़ी में परिवार के साथ है। शोक सभा में महाविद्यालय के सभा रखकर कर्मचारी गण द्वारा वर्मा को दो प्राध्यापकगण, रजिस्ट्रार एवं मिनट की मौन श्रद्धांजलि दी।

# बख्शीजी की जयंती पर चर्चा-गोष्ठी

दिग्विजय कैम्पस

द्विवेदी युगीन साहित्यकार डॉ. पदुमलाल पुन्नालाल बख्शी की 129वीं जयंती पर चर्चा गोष्ठी का आयोजन किया गया। शासकीय दिग्विजय महाविद्यालय राजनांदगांव के हिन्दी विभाग द्वारा आयोजित इस चर्चा गोष्ठी में संस्था के प्राचार्य डॉ. के. एल. टांडेकर सहित विभागीय प्राध्यापकों एवं विद्यार्थियों ने भाग लिया।

कार्यक्रम के प्रारंभ में प्राचार्य सहित विभागीय प्राध्यापकों और विद्यार्थियों में त्रिवेणी परिसर पहुंच कर वहां बख्शी जी, मुक्तिबोध और डॉ. बल्देव प्रसाद मिश्र की प्रतिमा पर सामूहिक रूप से पुष्प-माला चढ़ाकर सादर नमन किया। उसके बाद सृजन-

संवाद भवन में आयोजित चर्चा गोष्ठी में बख्शीजी के साहित्यिक अवदान पर सामूहिक चर्चा हुई। इस अवसर पर विभागाध्यक्ष डॉ. शंकर मुनि राय ने अपने विचार रखते हुए कहा कि हम सभी का सौभाग्य है कि हम उस संस्था में कार्यरत हैं जहां बख्शी जैसे साहित्यकार ने अध्यापन कार्य किया है। उन्होंने 'सरस्वती' पत्रिका के संपादक के रूप में बख्शी के योगदान का उल्लेख करते हुए उनके संपादकीय सिद्धांतो का भी उल्लेख किया। प्राचार्य डॉ. के. एल. टांडेकर ने बख्शी की गद्य कला पर प्रकाश डाला और बताया कि बख्शी जैसे साहित्यकार से यह महाविद्यालय गौरवान्वित है। उन्होंने विद्यार्थियों से कहा कि वे हिन्दी विभाग में साहित्यिक परिवेश बनाकर बख्शी जी के संस्कारों को जीवित रखें।

कार्यक्रम का संचालन करते हुए विभागीय प्राध्यापक डॉ. प्रवीण साहू ने बख्शी जी की प्रसिद्ध कहानी 'झलमला', 'नंदिनी' सहित 'क्या लिखूं' निबंध का जिक्र करते हुए उनकी रचनात्मक कला पर प्रकाश डाला। इसके साथ ही एम. ए. अंतिम वर्ष के विद्यार्थी तुलेश्वर यादव, हिमांशु, राममनोहर, सेजल, संजना और निकिता साहू ने बख्शी जी की जीवनी और रचनाओं पर केन्द्रित वक्तव्य प्रस्तुत किया। उल्लेखनीय है कि बख्शी जी के साहित्यिक संस्कार से यह नगर अंतर्मन से प्रभावित है। अत: इस अवसर पर नगर के वरिष्ठ नागरिक डॉ. डीसी जैन, समाजसेवी अमलेन्दु हाजरा, नगर पंचाय अध्यक्ष शिवकुमार वर्मा और बख्शीजी के पौत्र गजेन्द्र बख्शी ने भी बख्शीजी मूर्ति पर माल्यार्पण किया और उनके साहित्य पर चर्चा की।

# ऑनलाईन प्रवेश फार्म 15 जून तक

दिग्विजय कैम्पस

शासकीय दिग्विजय स्वशासी महाविद्यालय में स्नातक प्रथम वर्ष (प्रथम सेमेस्टर) में प्रवेश हेतु ऑनलाईन आवेदन की तिथि 18 जून 2023 तक बढ़ायी जाती है। शासकीय दिग्विजय स्वशासी स्नातकोत्तर महाविद्यालय, राजनांदगांव में शैक्षणिक सत्र 2023-24 में स्नातक स्तर के बी.ए., बी. कॉम, बी.एस.सी. (बायो/गणित), बी.सी.ए., डी.सी.ए. एवं टैली प्रथम वर्ष (प्रथम सेमेस्टर) में ऑनलाईन पद्धति से प्रवेश फार्म भरने हेतु महाविद्यालय के वेबसाइट के माध्यम से 15/06/2023 तक आवेदन करने की तिथि निर्धारित की गई थी। छात्रहित को ध्यान में रखते हुए अंतिम तिथि 18/06/2023 तक बढ़ायी जाती है। उल्लेखनीय है कि दिग्विजय महाविद्यालय में पिछले वर्ष से नई शिक्षा नीति के तहत सेमेस्टर पद्धति में शिक्षण कार्य हो रहा है। अत: स्नातक प्रथम वर्ष में दिग्विजय महाविद्यालय प्रवेश हेतु जो विद्यार्थी आवेदन करना चाहते है, वे पृथक से उपरोक्त वेबसाइड के माध्यम से प्रवेश आवेदन फार्म भर सकते है।

# द्वितीय प्रवेश सूची जारी

दिग्विजय कैम्पस

**शासकीय दिग्विजय स्वशासी स्नातकोत्तर महाविद्यालय, राजनांदगांव में शैक्षणिक सत्र 2023-24 में स्नातक स्तर के बी.ए., बी. कॉम, बी.एस.सी. (बायो/गणित), बी.सी.ए., प्रथम वर्ष (प्रथम सेमेस्टर) की द्वितीय मेरिट सूची जारी कर दी गई है।**

महाविद्यालय के प्राचार्य डॉ. के.एल. टांडेकर ने बताया कि प्रथम मेरिट सूची की अंतिम तिथि 28/06/2023 निर्धारित की गई थी, जिसमें लगभग 40 प्रतिशत सीटों पर प्रवेश हो चुका है। शेष सीटों के लिए द्वितीय मेरिट सूची जारी कर दी गई है, जिसके अनुसार बी.ए.प्रथम वर्ष में कट ऑफअनारक्षित वर्ग में 58.5 अपिव में 57.1 तथा अजा. में 47.2 प्रतिशत तक गई है। बी.कॉम.प्रथम वर्ष में कट ऑफ अनारक्षित वर्ग में 67.8 अपिव में 66.4 तथा अजा. में 36.6 प्रतिशत तक गई है। बी.एस.सी. गणित प्रथम वर्ष में कट ऑफ अनारक्षित वर्ग में 68 अपिव में 66.4 प्रतिशत तक गई है। बी.एस.सी. बायो प्रथम वर्ष में कट ऑफअनारक्षित वर्ग में 74.6 अपिव में 74 प्रतिशत, अजा.67.2 एवं अजजा 64 प्रतिशत तक गई है एवं बी.सी.ए. प्रथम वर्ष में कट ऑफ अनारक्षित वर्ग में 55.8 अपिव में 55 प्रतिशत तक गई है। जिसका अवलोकन महाविद्यालय के वेब साईट पर तथा महाविद्यालय के सूचना पटल का अवलोकन कर सकते है।

निर्धारित तिथि तक विद्यार्थियों को आवश्यक दस्तावेज सहित आवेदन पत्र की हार्ड कापी लेकर सत्यापन कराना होगा, तत्पश्चात् निर्धारित शुल्क जमा करना होगा। निर्धारित तिथि का उल्लेख प्रवेश सूची के साथ किया गया है। प्रवेश सूची के संबंध में किसी भी प्रकार की शिकायत/समस्या हो तो विद्यार्थी निर्धारित तिथि से पूर्व प्राचार्य से संपर्क कर सकते है।

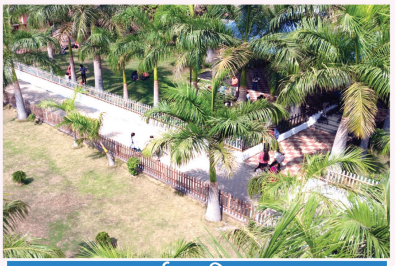

गार्डन एरिया...

**नहीं रहेगा पेड़ तो धरती रहेगी सुनसान**

# 'राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 पाठ्यक्रम एवं शोध सुधार' विषय पर कार्यशाला

## उत्पन्न हो रही समस्याओं से अवगत कराया

दिग्विजय कैम्पस

**शासकीय दिग्विजय स्वशासी स्नातकोत्तर महाविद्यालय राजनंदगांव में IQAC एवं अंग्रेजी विभाग के संयुक्त तत्वावधान में 17 अप्रैल 2023 से 21 अप्रैल 2023 तक ''राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 पाठ्यक्रम एवं शोध सुधार'' विषय 05 दिवसीय राष्ट्रीय कार्यशाला आयोजित की गई।**

प्रथम दिवस कार्यक्रम के मुख्य अतिथि प्रोफेसर जी.डी.शर्मा वाइस चांसलर, यूनिवर्सिटी ऑफसाइंस एंड टेक्नोलॉजी मेघालय एवं डॉ. जी. ए. घनश्याम, ओएसडी उच्च शिक्षा विभाग रायपुर, छत्तीसगढ़ सम्मिलित हुए। संस्था के प्राचार्य डॉ के. एल. टांडेकर ने मुख्य अतिथियों का पुष्पगुच्छ देकर स्वागत किया एवं अपने वक्तव्य में NEP लागू होने के बाद की वर्तमान स्थिति और उसमे उत्पन्न हो रही समस्याओं से अवगत कराया।

प्रोफेसर जीडी शर्मा ने अपने व्याख्यान में बताया राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 वर्तमान के साथ-साथ भविष्य की आवश्यकताओ को ध्यान में रखकर तैयार की गई है। विद्यार्थियों को रोजगार के अनुरूप तैयार करना और मल्टीडिसीप्लिनरी स्ट्डीज उपलब्ध कराना है। NEP के माध्यम से विद्यार्थियों को उनके च्वाइस के मुताबिक बहुत सारे विषयों के विकल्प उपलब्ध है।

इंटरव्यू की तैयारी से सम्बंधित जानकारी साझा किया

# एमओयू के अंतर्गत बिट कोड सॉफ्टवेयर कंपनी का भ्रमण

दिग्विजय कैम्पस

शासकीय दिग्विजय महाविद्यालय, राजनांदगांव के प्राचार्य डॉ. के.एल. टांडेकर के निर्देशानुसार एवं कम्प्यूटर साइंस विभाग के विभागाध्यक्ष प्रो. राजू खूंटे के मार्गदर्शन में आज 28 अप्रैल 2023 को एमओयू के अंतर्गत बिटकोड सॉफ्टवेयर कंपनी भिलाई का भ्रमण किया गया । बिटकोड सॉफ्टवेयर प्राइवेट लिमिटेड के डायरेक्टर संजीव कुमार ने अपनी कंपनी के कार्यो तथा उद्देश्य के बारे में जानकारी दी । सीनियर ट्रेनर के. व्ही. राजकुमार ने रनिंग लाइव सॉफ्टवेयर प्रोजेक्ट डेवलपमेंट की जानकारी विद्यार्थियों को दी।

एचआर कंसलटेंट के डायरेक्टर कृष्ण कुमार ने इंटरव्यू की तैयारी से सम्बंधित जानकारी साझा किया। पिक्स स्टूडियो प्रो. कॉम के संचालक राजेश कुमार साहू ने सॉफ्टवेयर डेवलेपमेंट के रिस्क तथा पाटनर्शिप से सम्बंधित रोचक जानकारी विद्यार्थियों को दिए।

इस कार्यक्रम में कम्प्यूटर साइंस परिसद के अध्यक्ष सुभम कुमार, उपाध्यक्ष भूमिका , सचिव शालिनी साहू एवं सहसचिव दिव्या सोनकुसाले की विशेष भूमिका रही। कार्यक्रम में एमएससी कम्प्यूटर साइंस द्वितीय तथा चतुर्थ सेमेस्टर के विद्यार्थियों के साथ-साथ विभाग के अतिथि व्याख्याता रामअवतार तथा रोहिणी समरिथ की उपस्थिति रही।

## परीक्षा परिणाम घोषित

दिग्विजय कैम्पस

सत्र 2022-23 शास. दिग्विजय स्वशासी महाविद्यालय की B.Com.-II,III 2022-23 की परीक्षा परिणाम 01.05.2023 को घोषित किया गया। परीक्षा परिणाम की घोषणा महाविद्यालय के प्राचार्य डॉ. के.एल. टांडेकर द्वारा किया गया। B.Com.-II year में 67.68: एवं B.Com.-III year में 82.01: परीक्षा परिणाम रहा। परीक्षा परिणाम www.gdcr.ac.in पर देखें जा सकते हैं। वहीं www.gdcr.ac.in 2022.23 का परीक्षा परिणाम 17.05.2023 को घोषित किया गया। परीक्षा परिणाम की घोषणा महाविद्यालय के प्राचार्य डॉ. के.एल. टांडेकर द्वारा किया गया।

## भारत में पर्यटन उद्योग का विकास विषय पर राष्ट्रीय कांफ्रेंस का आयोजन

दिग्विजय कैम्पस

शासकीय दिग्विजय स्वशासी स्नातोत्तर महाविद्यालय के प्राचार्य डॉक्टर के.एल. टांडेकर की अध्यक्षता एवं मार्गदर्शन में वाणिज्य विभाग एवं सोशल साइंस एंड मैनेजमेंट वेलफेयर संगठन. जबलपुर के संयुक्त प्रयास से 26 सितंबर एवं 27 सितंबर 2023 को भारत में पर्यटन उद्योग का विकास विषय पर राष्ट्रीय कांफ्रेंस का आयोजन वाणिज्य विभाग द्वारा किया गया । कॉन्फ्रेंस के प्रथम दिवस पर मुख्य अतिथि के रूप में कृष्ण यूनिवर्सिटी छतरपुर मध्य प्रदेश के कुलपति डॉक्टर अनिल धगत आमंत्रित थे। कार्यक्रम का परिचय आई. क्यू.ए. सी.समन्वयक डॉक्टर अनीता शाह द्वारा किया गया।

## डिलापहरी में स्वास्थ्य शिविर का आयोजन

दिग्विजय कैम्पस

समाज कार्य विभाग, दिग्विजय स्नातकोत्तर स्वशासी महाविद्यालय, राजनांदगांव द्वारा ग्राम डिलापहरी (जिला-राजनांदगांव) स्वास्थ्य शिविर का आयोजन किया गया। उक्त कार्यक्रम प्राचार्य डॉ. के.एल. टांडेकर के मार्गदर्शन में आयोजित किया गया। कार्यक्रम में आयुष पॉलीक्लिनिक सेंटर से डॉक्टर प्रज्ञा सक्सेना मैम, राष्ट्रीय बाल स्वास्थ्य कार्यक्रम के अंतर्गत डॉ. मिहिर आनंद साहू, डॉ प्रियंका पाटिला, सुश्री ज्योति राव, सुश्री बेनी साहू तथा मुख्यमंत्री स्लम स्वास्थ्य योजना द्वारा संचालित वाचाल चिकित्सा इकाई (मोबाइल मेडिकल यूनिट) के कर्मचारीयों ने अपनी सेवा प्रदान की। गांव के सरपंच गोविंद वर्मा और अमित चौबे (अध्यक्ष, माही वेलफेयर फाउंडेशन) का कार्यक्रम के आयोजन में विशिष्ट सहयोग रहा। चिकित्सकों के आए हुए विभिन्न समूह ने एलोपैथिक, होम्योपैथिक और आयुर्वेदिक उपचार पद्धति के माध्यम से ग्राम वासियों को लाभान्वित किया। कार्यक्रम में श्रीमती ललिता साहू (विभागाध्यक्ष, समाज कार्य विभाग), श्रीमान इकरार खान (सहायक प्राध्यापक), सुश्री तारिणी साहू (सहायक प्राध्यापक) और समाज कार्य विभाग के समस्त छात्र एवं छात्राएं सम्मिलित हुए।

# रोजगारी हिंदी पर व्याख्यान आयोजित

दिग्विजय कैम्पस

**शासकीय दिग्विजय महाविद्यालय के हिंदी विभाग में रोजगारी हिंदी पर एक दिवसीय व्याख्यान का आयोजन किया गया। प्राचार्य डॉ. के. एल. टाण्डेकर के निर्देशानुसार आयोजित इस व्याख्यान में हिंदी पढ़ने वाले विद्यार्थियों के लिए रोजगारी दिशा निर्देश करना था। विभागाध्यक्ष डॉ. शंकर मुनि राय ने व्याख्यान की रूपरेखा तथा उद्देश्य पर प्रकाश डाला और आमंत्रित अतिथि डॉ. श्रद्धा चंद्राकर और डॉ. अंजन कुमार का स्वागत डॉ. बी.एन. जागृत ने किया। व्याख्यान का संचालन डॉ. प्रवीण साहू ने किया।**

व्याख्यान की मुख्य वक्ता डॉ. श्रद्धा चंद्राकर ने हिंदी के विद्यार्थियों के लिए पत्रकारिता के क्षेत्र में जाने का सुझाव दिया। इस प्रसंग में आपने खोजी पत्रकारिता, ग्रामीण पत्रकारिता और खेल पत्रकारिता का उल्लेख किया और सुझाव दिया कि भाषा की अच्छी जानकारी हो तो इस क्षेत्र में आसानी से रोजगार तलाशे जा सकते हैं। इसी प्रकार वीडियो फिल्म के लिए स्क्रिप्ट राइटिंग तथा फोटो पत्रकारिता के लिए भी सुझाव दिये।

कल्याण महाविद्यालय, भिलाई के प्राध्यापक डॉ. अंजन कुमार ने विज्ञापन की भाषा पर बोलते हुए कहा कि विज्ञापन लिखना एक महत्वपूण भाषायी कला है। कुछ भी लिखने से पहले विषय और उसने पाठक का मनोविज्ञान समझना आवश्यक है। मीडिया की दुनिया में विज्ञापन का बहुत महत्व बढ़ा है। इसके लिए हिंदी सहित स्थानीय भाषाओं के जानकार लोगों के लिए रोजगार के पर्याप्त अवसर उपलब्ध हैं।

## बीकॉम द्वितीय एवं अंतिम वर्ष का परीक्षा परिणाम घोषित

दिग्विजय कैम्पस

शासकीय दिग्विजय स्वशासी स्नातकोत्तर महाविद्यालय राजनांदगांव में सत्र 2022-23 से राष्ट्रीय शिक्षा निति 2020 लागू है जिसमे चारवर्षीय स्नातक पाठ्यक्रम चल रहा है साथ ही द्वितीय वर्ष एवं तृतीय वर्ष का वार्षिक प्रणाली से अध्ययन कर रहे है। प्राचार्य डॉ. के.एल. टाण्डेकर द्वारा सत्र 2022.23 के बी.कॉम. द्वितीय वर्ष एवं बी. कॉम. तृतीय वर्षका परीक्षा परिणाम घोषित किया गया। बी.कॉम. द्वितीय वर्ष के कुल 428 विद्यार्थी अध्ययनरत थे जिनमे से 289 विद्यार्थी उत्तीर्ण, 56 विद्यार्थी पूरक तथा 82 अनुत्तिर्ण है कुल 67.68: रहा। इसी प्रकार बी. कॉम. तृतीय वर्ष में 389 में से 319 विद्यार्थी उत्तीर्ण हुए है जिनमे से 317 सफल विद्यार्थियों में से 99.37: प्रथम श्रेणी से उत्तीर्ण हुये है तथा 30 विद्यार्थी पूरक एवं 40 विद्यार्थी अनुत्तीर्ण रहे, कुल 81.01: रहा। प्राचार्य डॉ. के.एल. टाण्डेकर द्वारा

बताया गया की लगातार पिछले 2 से 3 वर्ष कोरोना काल का समय रहा ऐसे में विद्यार्थियों में अध्ययन. अध्यापन में लगातार परिवर्तन के पश्चात भी महाविद्यालय का ऑफलाइन हुए परीक्षा का परीक्षा परिणाम बहुत अच्छा रहा है। महाविद्यालय के प्राचार्य, वाणिज्य विभाग एवं अन्य विभागों के प्राध्यापको ने सभी सफल विद्यार्थियोंके उज्वल भविष्य की शुभकामनाये प्रेषित किये। परीक्षा परिणाम वेबसाइट पर देखें जा सकते हैं।

# विद्यार्थियों ने दुर्ग टेक्नोलॉजी सेंटर का किया भ्रमण

दिग्विजय कैम्पस

शासकीय दिग्विजय स्वशासी स्नातकोत्तर महाविद्यालय राजनांदगाँव के प्राचार्य डॉ. के.एल. टांडेकर के मार्गदर्शन व संरक्षण एवं भौतिक शास्त्र विभाग के विभागाध्यक्ष डॉ. पी. बी. टांक के नेतृत्व में भौतिक शास्त्र विभाग के स्नातकोत्तर के विद्यार्थियों के द्वारा MSME टेक्नोलॉजी सेंटर दुर्ग का भ्रमण किया गया साथ ही विद्यार्थियों ने वहां एक दिवसीय ट्रेनिंग का लाभ लिया जिसमे उन्हे MSME के क्षेत्र मे रोजगार के अपार संभावना पर व्याख्यान दिया गया।

बताया गया कि एमएसएमई व्यावसायिक नवाचारों के माध्यम से उद्यमशीलता के प्रयासों के विस्तार में महत्वपूर्ण योगदान दे रहे हैं एमएसएमई घरेलू और साथ ही वैश्विक बाजारों की मांगों को पूरा करने के लिए विभिन्न प्रकार के उत्पादों और सेवाओं का उत्पादन करते हुए अर्थव्यवस्था के क्षेत्र में अपने डोमेन का विस्तार कर रहे हैं भारत में एमएसएमई कृषि के बाद दूसरा ऐसा क्षेत्र है जो सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था उत्पादित कर रही है भारत में एमएसएमई बड़े उद्योगों की तुलना में तुलनात्मक रूप से कम पूंजी लागत पर बढ़े रोजगार के अवसर प्रदान करने के साथ-साथ ग्रामीण और पिछड़े क्षेत्रों मे औद्योगीकरण के माध्यम से क्षेत्रीय असंतुलन को कम करके राष्ट्रीय आय और धन के अधिक समान वितरण का आश्वासन देकर महत्वपूर्ण भूमिका निभा रहे हैं। तत्पश्चात विद्यार्थियों के द्वारा लैब का भ्रमण किया गया जहां पर उन्होंने एमएसएमई में उपयोग होने वाले विभिन्न टेक्नोलॉजी को देखा और सीखा ।

इस औद्योगिक भ्रमण में भौतिक शास्त्र विभाग विभागाध्यक्ष डॉ. पी.बी. टॉक में सहायक प्राध्यापक लेखा प्रसाद उर्वशा एवं भौतिक शास्त्र विभाग के स्नातकोत्तर के 26 विद्यार्थियों शामिल थे । भौतिक शास्त्र विभाग के विद्यार्थियों ने इस औद्योगिक भ्रमण को अत्यंत लाभप्रद बताया।

स्वामित्व एवं प्रकाशक: शासकीय दिग्विजय स्वशासी स्नातकोत्तर महाविद्यालय किलापारा, राजनांदगांव ( छत्तीसगढ़ )। महाविद्यालय के पत्रकारिता विभाग द्वारा त्रैमासिक प्रकाशित। संरक्षक एवं प्रकाशक :- ( प्राचार्य ) डॉ. के.एल टांडेकर, प्रधान संपादक एवं निर्देशक:- डॉ. श्रीमती बी. नन्दा जागृत, समाचार सहसंपादक:- अमितेश सोनकर, रेश्मी साहू, संकलन:-बीएजेएमसी छात्र-छात्राएं। मुद्रक:-E-mail:-digvijaycampus1@gmail.com मो. नम्बर:-9424111204, 9424111402, राजनांदगांव ( छत्तीसगढ़ )